सफलता की कहानी

किसान का नाम – अशोक महतो

पिता – हलाधर महतो

ग्राम – लोवाडीह

पंचायत – दीघी

प्रखण्ड – पटमदा

जिला – पूर्वी सिंहभूम

अशोक महतो माध्यम वर्गीय परिवार से आते है इनका परिवार बड़ा है स्नातक तक की शिक्षा ग्रहण किए है। अशोक के तीन भाई है जिसमें से अशोक महतो सबसे छोटा है। अशोक को एक बेटा एक बेटी है। अशोक 10 साल से खेती करते आ रहा है खेती तो बड़ा ही है लेकिन जैसे–तैसे खेती करके गुजर बसर कर रहे है। अशोक छोटे होते हुए भी अपने परिवार का जिम्मेदारी दोनों भाईयों के साथ उठाते है। ये बहुत ही मेहनती है मेहनत जिस तरह से करते थे उस तरह से कोई लाभ नहीं होता था किसी तरह से परिवार चल रहा था।

एक दिन हमारे किसान मित्र जगन्नाथ महतो के द्वारा हमारे साथ यानी कृषि विभाग आत्मा से जुड़ गए । अशोक को हमारे विभाग से जुड़ने के बाद उनका जीवन ही बदल गया। यहाँ से ट्रेनिंग भी लिए एवं इस तरह से खेती करने लग गए है कि उनको विश्वास ही नहीं होता है कि पहले कैसे थे और अब कैसे है। ये कृषि विभाग आत्मा की ओर यंत्र भी लिए है। ये पावर वीडर भी लिए है, ट्रेक्टर है जिसमें खेती में वरदान साबित हो रहा है एवं दुगुना लाभ कमा रहे है। ये सब्जी, बैगन, फूलगोभी बंदागोभी, भिंडी, टमाटर, धान, बकरी पालन, मुर्गी पालन, बतख पालन एवं साथ ही साथ आम से भी यह अच्छा कमा रहे है। सब्जी ये सलाना 2 से 3 लाख पशुपालन से 80 से 90 हजार एवं आम ये 50 से 60 हजार कमा रहे है।

अशोक दोगुना लाभ कमा रहे है। कौर सा सीजन में कौन सा सब्जी, कौन सा खाद एवं कौन सा दवा देना है सब सीख चुके है। 5 साल से पूरी तरह आत्मनिर्भर बन गए है। इनको देखकर अगल–बगल के किसान जागरूक हो रहे है। इसी पर पुरा परिवार निर्भर है। इतना बड़ा परिवार का भरण–पोषण बहुत सही तरीके से कर रहे है। बच्चों को अच्छी शिक्षा, अच्छा स्कुल में पढ़ा रहे है। पहले छोटा सा घर था अब पक्का मकान है ।

narzo Shot on narzo 50A

narzo Shot on narzo 50A

narzo Shot on narzo 50A
2023/10/01 13:25